डायर वुल्फ

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

अमेरिका-स्थित **बायो-टेक्नोलॉजी** कंपनी (कोलोसल बायोसाइंसेज) ने दावा किया है कि उसने आनुवंशिक रूप से ऐसे **भेड़िये के शावकों (रोमुलस, रेमुस और खलीसी)** को तैयार किया है, जिनमें लंबे समय से विलुप्त हो चुके डायर वुल्फ (एनोसायन डायरस) के गुण मौजूद हैं।

आनुवंशिक रूप से तैयार किये गए भेड़िये के शावक:

- वैज्ञानिकों ने **13,000 से 72,000 वर्ष** पुराने डायर वुल्फ जीवाश्मों से प्राप्त प्राचीन **DNA** का उपयोग कर सफेद कोट और मोटे फर जैसे गुणों की पहचान की।
- डायर वुल्फ के जीनोम की तुलना **आधुनिक कैनिडाए (जैसे भेड़िये, सियार, लोमड़ी)** से करने पर उन्हें **ग्रे वुल्फ के साथ 99.5% DNA** समानता मिली।
- **CRISPR** तकनीक का उपयोग करते हुए उन्होंने **ग्रे वुल्फ की कोशिकाओं में 20 जीन स्थलों** को संपादित किया, इन्हें **पालतू कुत्तों की अंडाणु कोशिकाओं** से मिलाया और **भ्रूणों को कुत्तों के गर्भाशयों** में प्रत्यारोपित किया।
  - 8 प्रत्यारोपणों में से **3 आनुवंशिक रूप से परिवर्तित शावकों** का जन्म 62 दिन की गर्भावस्था के बाद हुआ।
- **विलुप्त हो चुके ग्रे वुल्फ से भिन्नता:**
  - जीन-संपादित शावक **विलुप्त डायर वुल्फ के सटीक आनुवंशिक प्रतिरूप नहीं हैं**। ग्रे वुल्फ से **99.5% DNA समानता** होने के बावजूद, **लाखों बेस पेयर में अंतर** मौजूद हैं।
  - इस प्रयोग ने **पुनःनिर्मित जानवरों को डायर वुल्फ** के रूप में वर्गीकृत किया है, जो **मॉरफोलॉजिकल स्पीशीज़ कॉन्सेप्ट** (morphological species concept) पर आधारित है, जो कि **सटीक आनुवंशिक या विकासवादी वंशावली पर नहीं, बल्कि शारीरिक समानता पर आधारित था**।

डायर वुल्फ

- **ये विशाल प्रागैतिहासिक कुत्तेनुमा जीव थे,** जो लगभग **13,000** वर्ष पहले विलुप्त हो गये थे।
- **दक्षिणी कनाडा और अमेरिका के मूल निवासी** ये जानवर **आधुनिक ग्रे वुल्फ** से बड़े होते थे, इनकी ऊँचाई लगभग 3.5 फीट, लंबाई 6 फीट से अधिक और वज़न लगभग 68 किलोग्राम तक होता था, और संभवतः **इनका कोट सफेद रंग** का होता था।
- **ये बाइसन और घोड़ों जैसे बड़े जानवरों का शिकार करते थे, ऐसा** माना जाता है कि इनके विलुप्त होने का कारण **शिकार की कमी और मानवीय हस्तक्षेप था।**

और पढ़ें... भारतीय ग्रे वुल्फ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dire-wolves